

पौशाणिक बिश्तें



प्रयोजन

- प्रथमानुयोग का स्वाध्याय
- साधर्मीयों का एक जगह समागम
 - आपसी समझ बढ़ाना

RULES

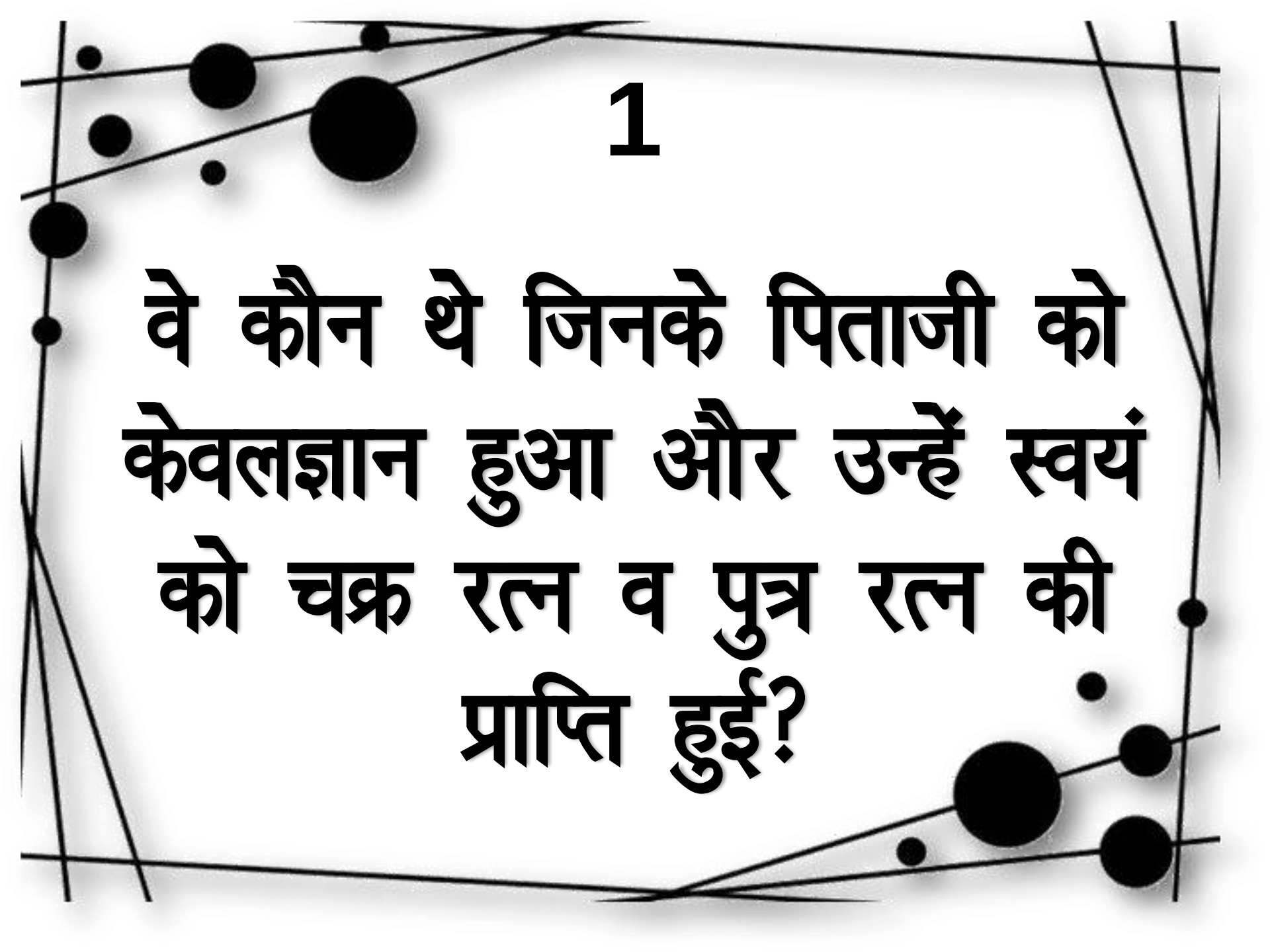
- ▶ इस कार्यक्रम में हम आपसे एक प्रश्न पूछेंगे, उस प्रश्न में हमारे पुराण पुरुषों में रिश्ता व नाम बताना है।
- ▶ उस प्रश्न के उत्तर में जो रिश्ता आया हो आपका भी वही रिश्तेदार यहाँ उपस्थित होना चाहिये तभी आप पुरस्कार के पात्र होंगे।
- ▶ उदाहरण:-

वे कौन थी जिन्होंने अपने पति को दोष न देकर धर्म में स्थिर रहने की बात कही।

उत्तर:- सीता जी ने रामचन्द्र जी से कहा

तो उत्तर देने वाले पति पत्नी साथ आयेंगे व इनाम लेंगे।

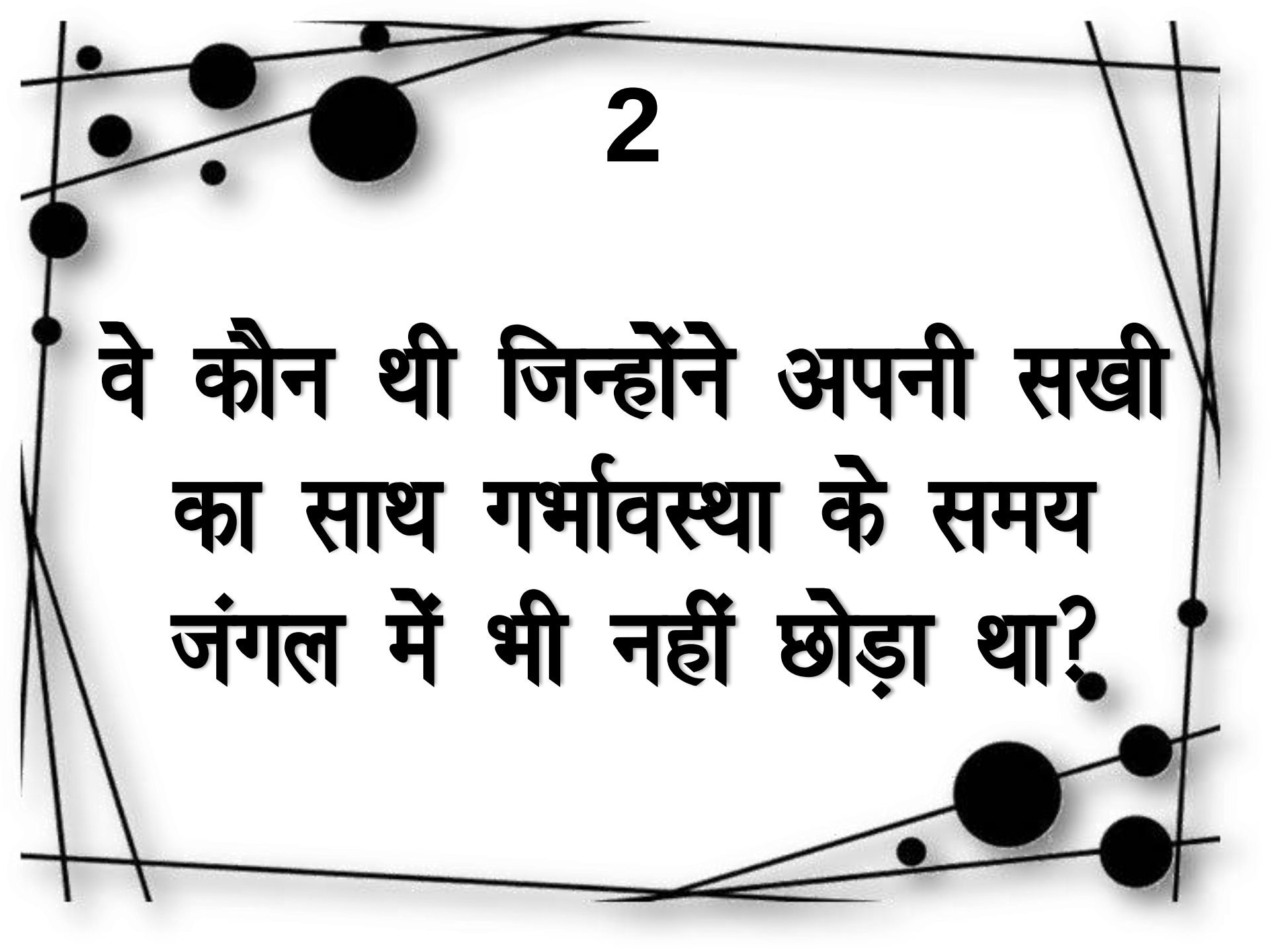
उत्तर देने के बाद आपको उस रिश्ते से क्या सीख मिली यह भी बताना होगा।



1

वे कौन थे जिनके पिताजी को
केवलज्ञान हुआ और उन्हें स्वयं
को चक्र रत्न व पुत्र रत्न की
प्राप्ति हुई?

उत्तर 9
आदिनाथ-भरत
(पिता-पुत्र)



2

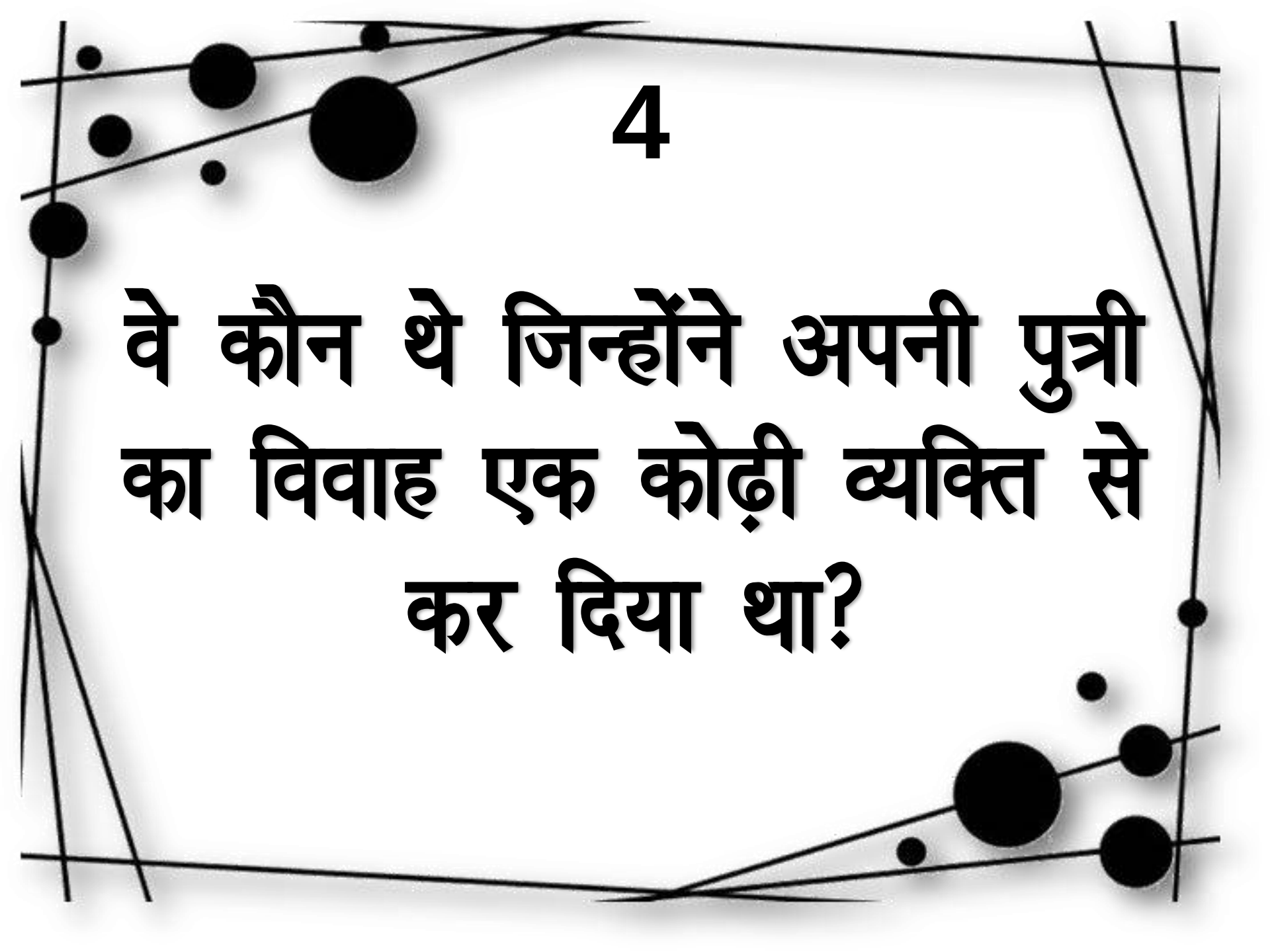
वे कौन थी जिन्होंने अपनी सखी
का साथ गर्भावस्था के समय
जंगल में भी नहीं छोड़ा था?

उत्तर २
अंजना-वसंतमाला
(सहेली)

3

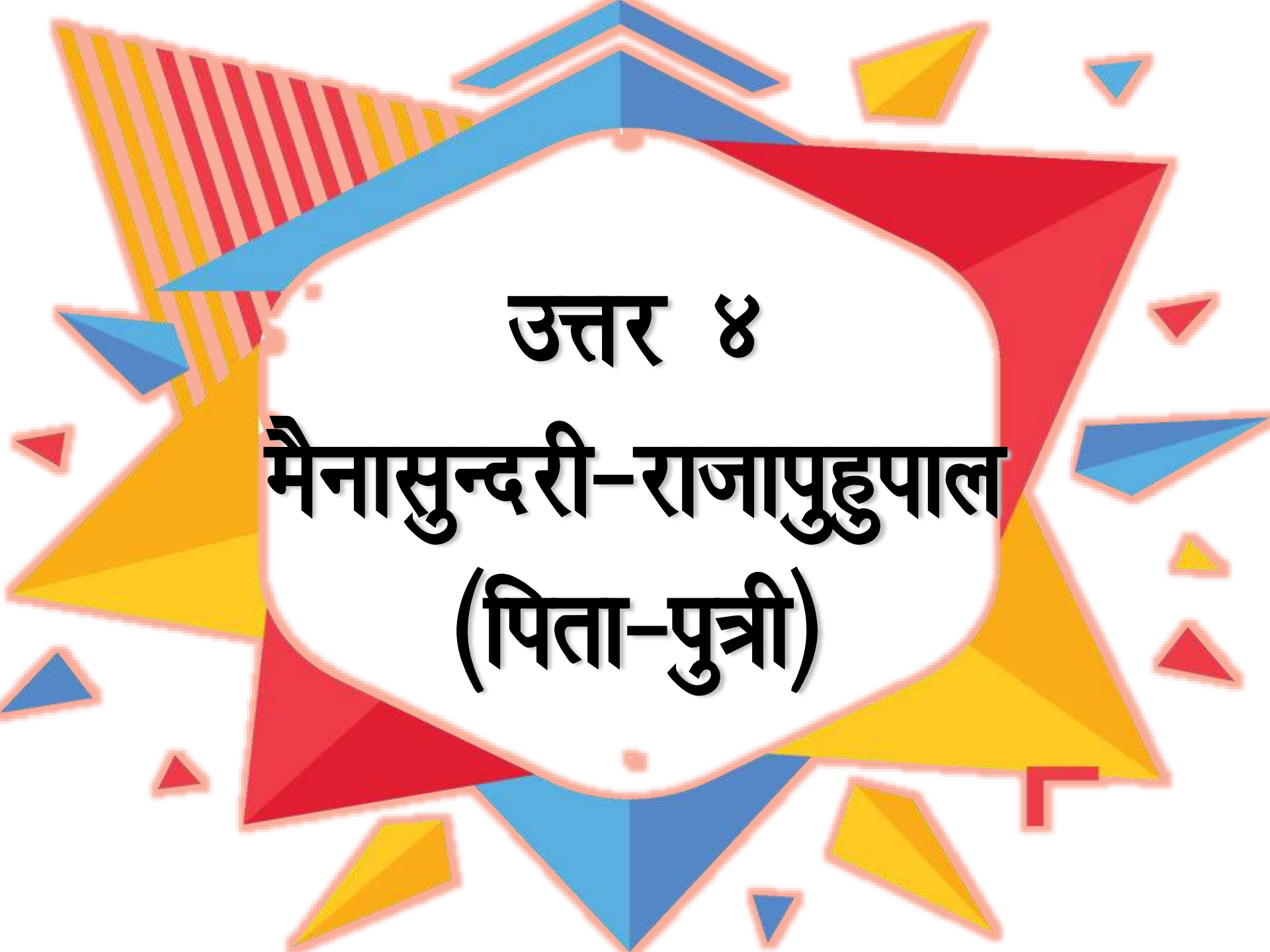
वे कौन थे जो अपनी ही बहिन
पर मोहित हो गये थे और पता
चलने पर दीक्षा धारण की?

उत्तर ३
कुलभूषण-देशभूषण
(भाई)



4

वे कौन थे जिन्होंने अपनी पुत्री
का विवाह एक कोढ़ी व्यक्ति से
कर दिया था?



उत्तर ४

मैनासुन्दरी-राजापुहुपाल
(पिता-पुत्री)

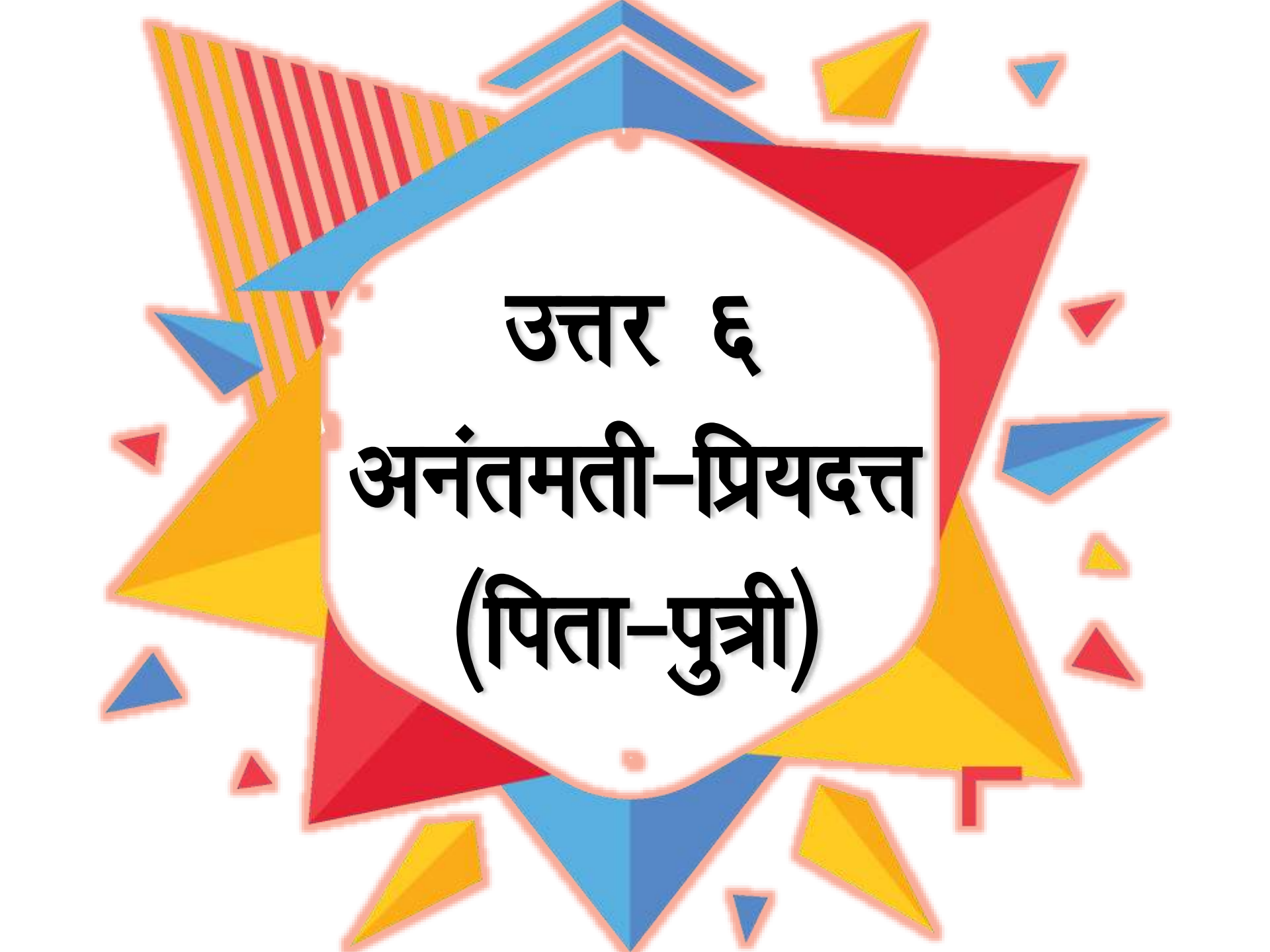
5

वे कौन थी जिन्होंने अपनी बहु
को निर्दोष होने पर भी
गर्भावस्था में घर से बाहर
निकाल दिया?

उत्तर ५
अंजना-केतुमती
(सास-बहु)

6

वे कौन थी जिन्होंने बाल्यावस्था
में ही आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत
धारण किया व पिता के बहुत
कहने पर भी नहीं छोड़ा? •



उत्तर ६
अनंतमती-प्रियदत्त
(पिता-पुत्री)

7

वे कौन थे जिन्होंने धर्म की रक्षा
के लिये भाई को बचाकर अपने
प्राणों का बलिदान कर दिया?

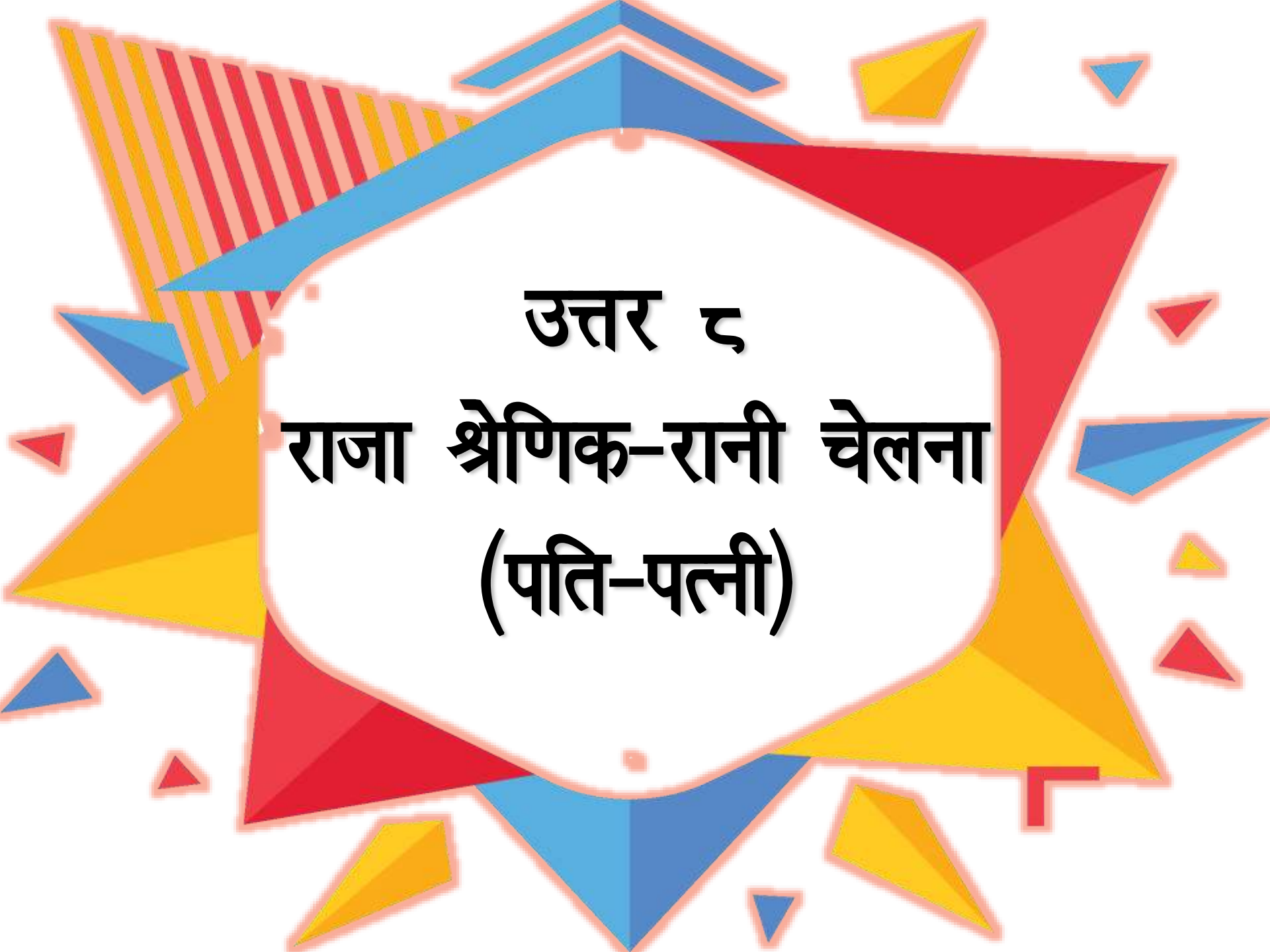
उत्तर ७

अंकलंक-निकलंक

(भाई)

8

वे कौन थे जिन्होंने मुनिराज पर
उपसर्ग किया और उनकी पत्नी
के समझाने पर उपसर्ग दूर
किया?



उत्तर ८
राजा श्रेणिक-रानी चेलना
(पति-पत्नी)

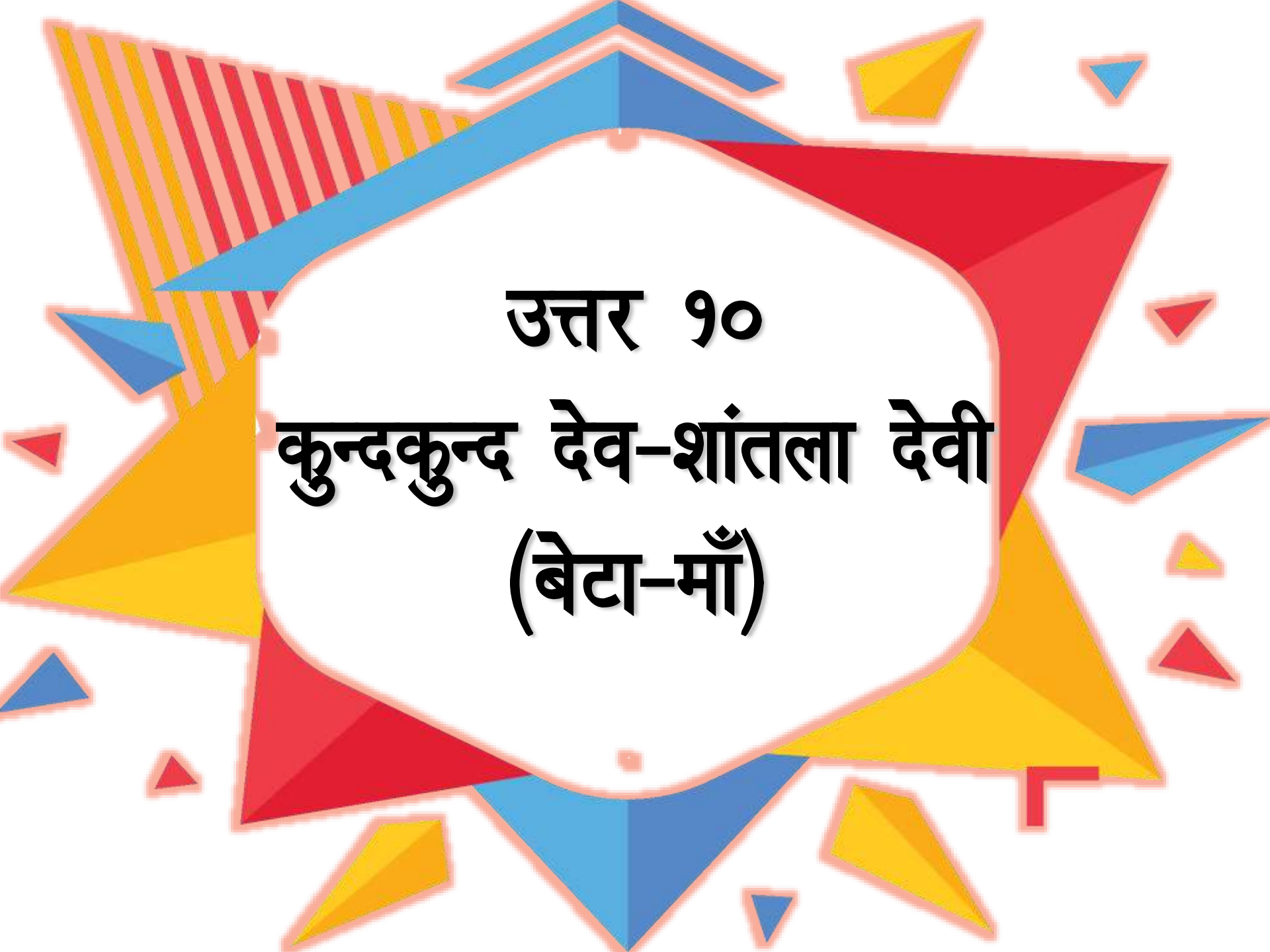
9

वे कौन थी जिन्होंने इस
अवसर्पिणी में सर्वप्रथम अंक विद्या
व अक्षर विद्या का ज्ञान लिया और
जिन्होंने आजीवन विवाह नहीं
किया?

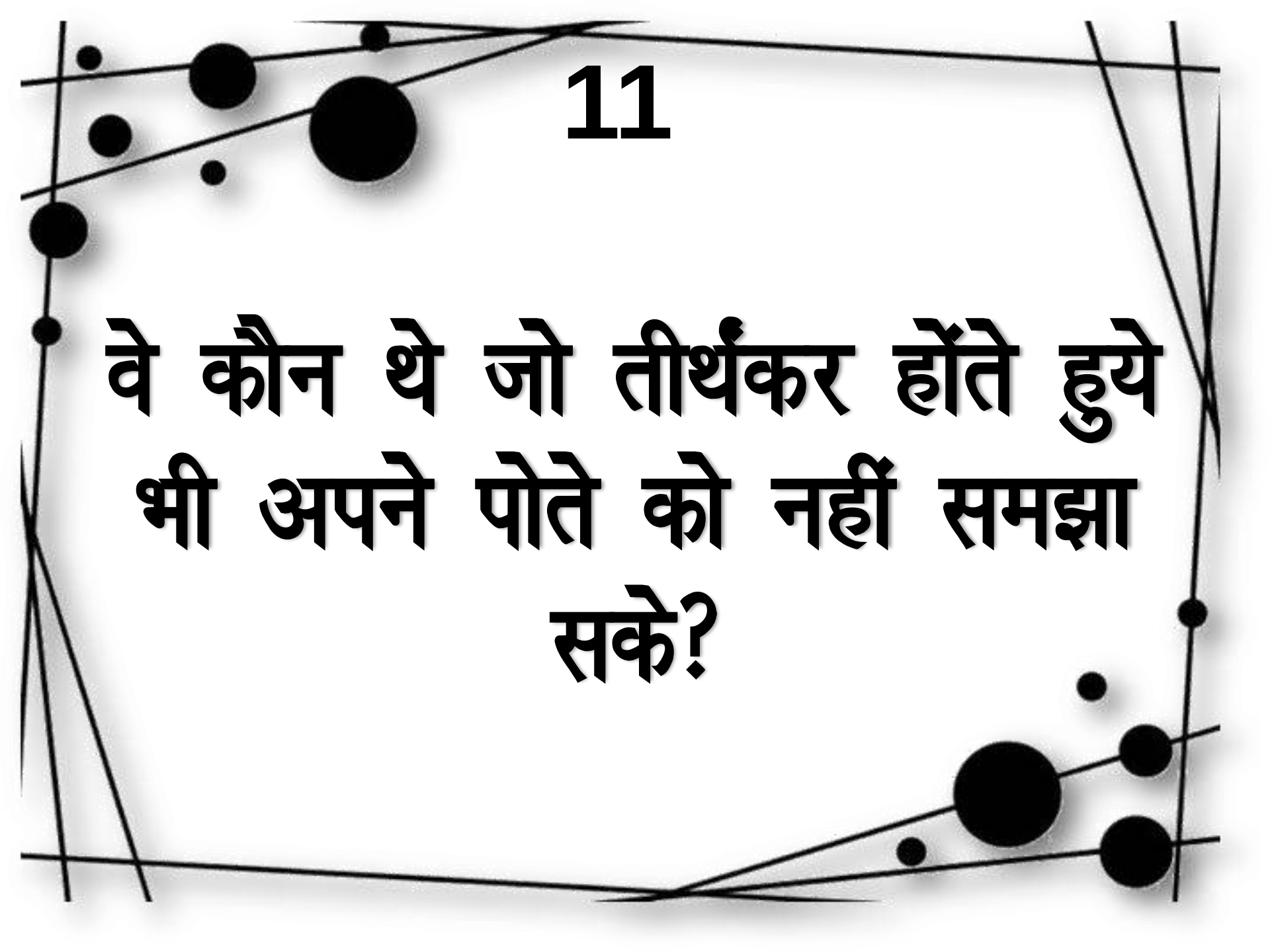
उत्तर ६
ब्राह्मी-सुन्दरी
(बहिन)

10

वे कौन थी जिन्होंने अपने पुत्र
को बाल्यावस्था की लोरी में ही
शुद्धोऽसि बुद्धोऽसि निरंजनोऽसि
सिखा दिया था?

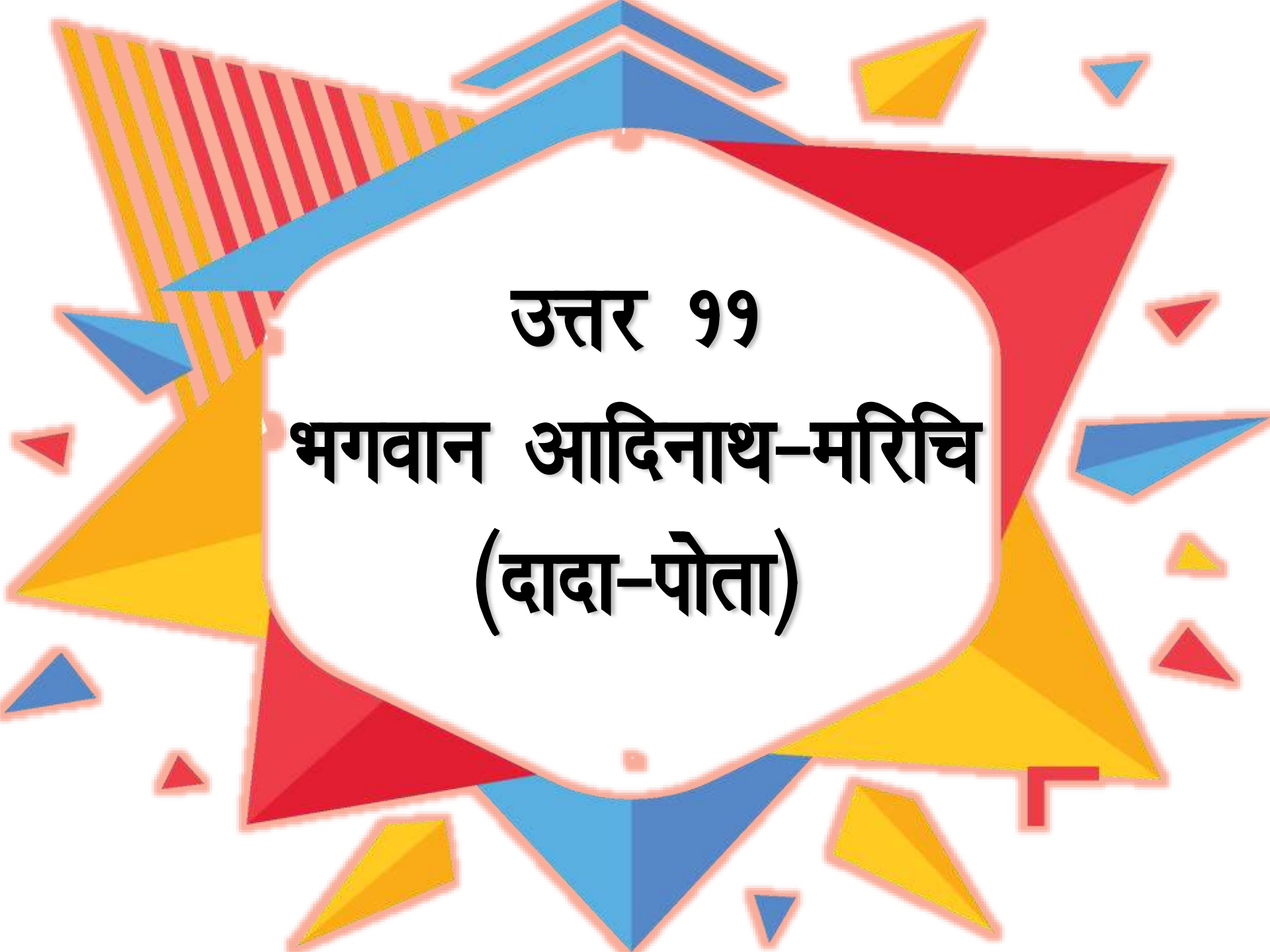


उत्तर १०
कुन्दकुन्द देव-शांतला देवी
(बेटा-माँ)



11

वे कौन थे जो तीर्थंकर होते हुये
भी अपने पोते को नहीं समझा
सके?



उत्तर ११
भगवान आदिनाथ-मरिचि
(दादा-पोता)

12

वे कौन जुड़वा भाई-बहिन जिनके
भाई को पूर्व भव का बैरी बचपन
में ही उठा ले गया था व बड़े
होकर वे अपनी बहिन पर ही
मोहित हो गये थे?

उत्तर १२
भामण्डल-सीता
(भाई-बहिन)

13

वे कौन थे जो अपनी पत्नी के
पीछे ससुराल जा रहे थे और
साले के मज़ाक करने पर दीक्षा
ले ली?

उत्तर १३
बप्पबाहु-उदयसुंदर
(जीजा-साला)

14

वे कौन थी जिनको सैनिक हरण
करके ले जा रहा था तब शील पर
उपसर्ग जानकर माँ के आत्मघात
करने पर बेटी ने सम्बोधन किया?

उत्तर १४

चंदनबाला-मृगांगलेखा

(माँ-बेटी)

15

वे कौन थे जो अपने मित्र को
दीक्षा लेने के बाद भी पत्नी की
याद करने पर १२ वर्ष तक
समझाते रहे?

उत्तर १५
वारिषेण-पुष्पडाल
(मित्र)